हमारे महाविद्यालय के पाँच गाँव

उन्नत भारत की ओर बढ़ते कदम ...

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

'उन्नत भारत अभियान' भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। ग्रामीण क्षेत्रोन्नति की प्रक्रिया में परिवर्तन की दृष्टि से उन्नत भारत अभियान विशेष महत्व रखता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सम्मिलित रूप से ग्रामीण विकास की प्रक्रियाओं को बल देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को इस योजना के साथ जोड़ा गया है।

एक ओर जहाँ शहरी क्षेत्र रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वच्छता जैसे मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण थे, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र इनकी उपेक्षा से पिछड़े थे। अतः शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य उसी अन्तराल को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने यह कार्य योजना तैयार किया जिसके माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों का गाँवों के साथ जुड़ाव, संवाद स्थापित कर समस्याओं को चिन्हित कर उनके निराकरण की योजना तैयार करते हुए गाँव के समग्र विकास में अपना योगदान देना सुनिश्चित किया गया। उन्नत भारत अभियान के माध्यम से भारत सरकार ने ग्रामोत्थान के लिए लक्ष्य निर्धारित किये हैं। ऐसे लक्ष्यों की कल्पना और उन्हें कार्यरूप में परिणीत करने की प्रक्रिया महाविद्यालय में अपने स्थापना काल से ही चल रही है। इस योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग महाविद्यालय के अँचल में स्थित गाँवों में से एक गाँव गोद लेकर वहाँ की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कौशल विकास, ग्रामीण सरकारी योजनाओं के लाभ व उनके प्रति जागरूकता इत्यादि विषयों के अन्तर्गत अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता आ रहा है।

मास्क का निर्माण करतीं सिलाई-कढ़ाई केन्द्र की प्रशिक्षु

प्रयोगशाला में सेनेटाइजर का निर्माण करते महाविद्यालय के कोरोना वॉरियर्स

उन्नत भारत अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय के पाँच विभागों द्वारा पाँच गाँवों का सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर गोद लिए गये, जिसमें बी.एड्. विभाग द्वारा मंझरिया, अंग्रेजी विभाग द्वारा ककरहियाँ, प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा छोटी रेतवहियाँ, हिन्दी विभाग द्वारा बड़ी रेतवहियाँ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हसनगंज। विभागों ने स्पष्ट कार्ययोजना के साथ गोद लिए गये गाँवों को विकास के पथ पर अग्रसर करने का अपना कार्यक्रम प्रारम्भ किया, जिसकी कुछ झलकियाँ आपके सम्मुख हैं।

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

जनजागरूकता रैली निकालतीं छात्राएँ

स्वच्छता कर स्वच्छता का संदेश देतीं छात्राएँ

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है- को चरितार्थ करने हेतु स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश निरन्तर गाँवों में दिया जाता रहा है चाहे वह सामान्य दौर हो या वैश्विक महामारी कोविड-19 का वर्तमान दौर।

वैश्विक महामारी कोविड-19 जब अपने चरम स्तर पर थी, सम्पूर्ण विश्व के चिकित्सकीय संसाधन विफल थे, ऐसे में तत्कालित समय में भी बचाव के प्राप्त सुझाव, संसाधनों तथा संदेशों अर्थात दो गज की दूरी, सेनेटाइजर का प्रयोग तथा हाथों को बार-बार धोना, मास्क का प्रयोग इत्यादि को गाँव में पहुँचाया गया एवं इस क्रम में महाविद्यालय अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, समाज सेवा की भावना का परिचय देते हुए महाविद्यालय के प्रयोगशाला में ना सिर्फ डब्लू.एच.ओ. के मानक के अनुसार सेनेटाइजर का निर्माण कराया, अपितु विद्यार्थियों तथा शिक्षिकों के सहयोग से बड़ी संख्या में मास्क निर्मित करा उन्हें गाँवों में नि:शुल्क वितरित किया गया। सेनेटाइजर तथा मास्क बाँटने गये विद्यार्थियों की सूचना पर कई विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सहयोग से जरूरतमंदों को राशन तथा भोजन भी वितरित किया गया। समय-समय पर महाविद्यालय इन पाँचों गाँवों में बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज, गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय तथा पी.एच.सी., चरगावाँ के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धित व्याख्यान तथा

नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों को नि:शुल्क दवा वितरित करा उनके स्वास्थ का ध्यान रखते हुए उन्हें स्वास्थ रक्षा एवं स्वस्थ जीवन हेतु प्रेरित करता रहता है।

कोरोना प्रोटोकॉल में कुछ रियायत मिलने के पश्चात एक बार पुन: नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आरम्भ किया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

ग्राम मंझरिया में चिकित्सा शिविर

13 फरवरी 2021 को बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम मंझरिया में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं टीम के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों की शुगर, बी.पी., वजन आदि की जाँच कर 200 रोगियों के नि:शुल्क दवा एवं चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया।

ग्राम ककरहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

इसी क्रम में 25 फरवरी 2021 को अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ में 'मिशन नवोत्थान' के अंतर्गत गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्रा एवं टीम के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 149 ग्रामवासियों का स्वास्थ परीक्षण कर नि:शुल्क दवा वितरण किया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

शिविर आयोजन में अंग्रेजी विभाग एवं उन्नत भारत अभियान की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान के साथ अंग्रेजी विभाग के बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र नितेश प्रजापति, कृष्ण मोहन एवं शिवानी गुप्ता तथा बी. ए. प्रथम वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, प्रांजल शर्मा, प्रवीण शुक्ला, कृतिका तिवारी, रितेश, आकृति सिंह, स्मिता सिंह, प्रिया कुशवाहा, प्रिया सिंह, किरन यादव, अंजली बच्चन एवं प्रतिमा गुप्ता ने विशेष सहयोग कर शिविर को सफल बनाया। ग्रामवासियों ने प्रत्येक सप्ताह इस प्रकार की शिविर आयोजित करने की अपील की।

स्वास्थ रक्षा में स्वच्छता के महत्व के प्रति समय-समय पर जन जागरूकता रैली तथा श्रमदान के

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया जाता है और इसी का परिणाम है कि गोद लिया गया गाँव मंझरिया खुले में शौचमुक्त घोषित हो चुका है तथा हसनगंज एवं ककरहियाँ इसी कतार में आ खड़े हुए हैं।

ग्राम छोटी रेतवहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

ग्रामवासियों को स्वास्थ्यगत समस्या सुनते चिकित्सक

03 मार्च को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम छोटी रेतवहियाँ में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा रोगियों को नि:शुल्क दवा वितरित किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं विद्यार्थी विकास चौधरी, अभय राज वर्मा, अभिषेक सिंह, सुधीर सिंह, दीपक विश्वकर्मा एवं कार्यालय सहायक श्री झब्बर शर्मा आदि लोगों ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहभाग किया। इस दौरान गांव के कुल 68 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 135 लोगों को नि:शुल्क दवा वितरित किया गया।

ग्राम बड़ी रेतवहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

बच्चे की स्वास्थ्य समस्या का निदान करते चिकित्सक

04 मार्च को ग्राम बड़ी रेतवहियाँ में हिन्दी विभाग द्वारा स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. मिश्र द्वारा बीमारी से ग्रस्त मरीजों को स्वास्थ सम्बन्धी जानकारी दी गयी। स्वास्थ शिविर में 140 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा नि:शुल्क दवा वितरित की गई।

शिक्षा

महाविद्यालय की महत्वाकांक्षी योजना 'मन से मंझरिया' के तहत विगत वर्षों से निरन्तर शिक्षा की

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

पुस्तक पाकर प्रसन्न होते गाँव के नौनिहाल

ग्रामवासियों में शिक्षा की अलख जगाती छात्रा

ज्योति से प्रति ग्रामवासियों को प्रकाशित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के अंतर्गत गाँवों में विभिन्न स्थानों पर भीमराव अम्बेडकर, माँ सीता, माँ सरस्वती, वीर अभिमन्यु, माँ कात्यायनी, रानी पद्मिनी, रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानन्द जैसे 7 शिक्षण केन्द्र स्थापित कर बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को शिक्षित किया जा रहा है।

शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ नई भारतीय शिक्षा नीति के प्रसारण हेतु भी कुछ प्रयास किये गये :

'नये भारत की नई शिक्षा नीति' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

18 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति की जानकारी देने के उद्देश्य से महाविद्यालय के राजतीति शास्त्र के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा बी.एड्. की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'नये भारत की नई शिक्षा नीति' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्याख्यान का संयोजन एवं आभार ज्ञापन 'उन्नत भारत अभियान' की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

व्याख्यान में उपस्थित विद्वत्जन

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर व्याख्यान

22 सितम्बर 2020 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सदस्य संचालन समिति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, उत्तर प्रदेश के डॉ. राजशरण शाही जी उपस्थित रहे। व्याख्यान में महाविद्यालय के सभी शिक्षक तथा 232 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी 'उन्नत भारत अभियान' श्रीमती कविता मंध्यान, संचालन अध्यक्ष, हिन्दी विभाग डॉ. आरती सिंह तथा आभार ज्ञापन बृजभूषण लाल, आचार्य समाजशास्त्र विभाग ने किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ई-बुक का प्रसारण

23 सितम्बर 2020 को प्रभारी, 'उन्नत भारत अभियान' श्रीमती कविता मंध्यान द्वारा mass e-mail के माध्यम से 37 ग्रामीण/शहरी विद्यालयों एवं कालेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ई-बुक का प्रसारण किया गया।

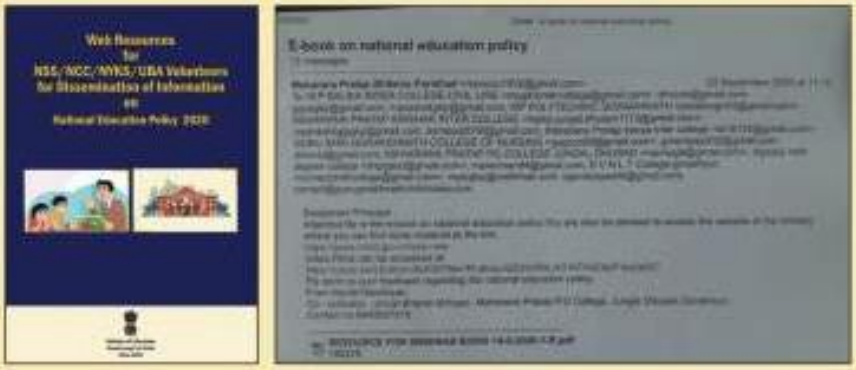

महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के ई-बुक का डिजिटल प्रसारण

महिला-आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

महाविद्यालय में स्थापित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से महिला आत्मनिर्भरता की ओर 2011 में ही पहल कर दी गयी थी। महिला आत्मनिर्भरता की भावना को चरितार्थ करते हुए वर्ष भर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई, कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण पश्चात् सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी को पुरस्कार स्वरूप सिलाई मशीन देकर उसे आत्मनिर्भर बनाने की ओर पहला कदम व दिशा दिखाकर, अन्य प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित

सिलाई एवं कटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं प्रशिक्षु

दीया पेंटिंग का प्रशिक्षण देती महाविद्यालय की छात्रा

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

किया जाता है। स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करते हुए गाँवों में एक अनूठी पहल आरम्भ की जो आज सफल भी हो रही है जिसमें महिलाओं की रुचि जानकर उनके प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया। उन्हें मिट्टी के दीयों को सजाना, विभिन्न प्रकार के बन्धनवार, पायदान, ऊनी मोजे व स्वेटर बुनना, मास्क बनाना तथा आचार व मुरब्बा बनाने का प्रशिक्षण दे उनकी कला को निखार कर उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को मंच प्रदान करते हुए प्रदर्शनी लगाकर बिक्री करायी जिससे उनके उत्पादों का उचित मूल्य महिलाओं को प्राप्त हुआ साथ ही उनमें आत्मविश्वास जगाकर भविष्य में उनकी आय का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। सरकार की मंशा 'हर हाथ - रोजगार' तथा 'वोकल फॉर लोकल' को भी बल देने का प्रयास किया गया।

दीया प्रदर्शनी में दीया खरीदते महाविद्यालय के शिक्षक

दीयों की प्रदर्शनी

बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में 01 नवम्बर 2020 से छात्राध्यापकों के समूह द्वारा ग्रामीण महिलाओं को दीया पेंटिंग एवं सजावट की वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। 9 नवम्बर को ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए दीयों एवं सजावट की वस्तुओं की छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय में प्रदर्शनी लगायी तथा उन वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त मूल्य को ग्रामीण महिलाओं में वितरित कर महिला स्वावलंबन की दिशा में एक कदम बढ़ाया।

'आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला' विषय पर व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते कर्नल (रि.) भानु प्रताप शाही

9 जनवरी 2021 को महिला आत्मनिर्भरता को बल देने के लिए आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला विषय पर कर्नल भानू प्रताप शाही ने बतौर मुख्य अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्रा, प्रस्ताविकी उन्नत भारत अभियान की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान तथा आभारज्ञापन उप प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया।

आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला जन जागरूकता रैली

9 जनवरी 2021 को उन्नत भारत अभियान तथा यू.पी. 15वीं गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंग्रेजी विभाग द्वारा

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

अभिगृहीत ग्राम ककरहियाँ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में कैडेट्य द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गयी।

जनजागरूकता रैली निकालते एन.सी.सी. कैडेट्स

मिशन नवोत्थान के अंतर्गत हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री

नवम्बर माह में अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ में महिला आत्मनिर्भरता पर सर्वे करवाने के पश्चात् ग्राम की महिलाएँ जो आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने की ओर जागरूक हुईं उनकी रुचि जानी। तत्पश्चात् दिसम्बर माह में उन्हें ऊनी मोजे बनाने हेतु ऊन, मास्क बनाने हेतु कपड़ा, फिल्टर व प्रोटेक्शन शील्ड तथा आचार बनाने हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी गयी। मोजे-मास्क तथा आचार तैयार होने के पश्चात् 9 जनवरी 2021 को 'मिशन नवोत्थान' के अंतर्गत अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित ऊनी मोजे, मास्क व अचार की प्रदर्शनी एवं बिक्री कर महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया गया।

प्रदर्शनी में ग्रामीण महिलाओं के उत्पाद खरीदते शिक्षक

दूरसंचारी सम्प्रेषण माध्यम द्वारा किसान भाइयों को विशेषज्ञ परामर्श

उन्नत भारत अभियान के तहत महाविद्यालय द्वारा गाँव के किसानों के कृषि कर्म में आने वाली विविध प्रकार की समस्याओं का उचित निदान करने हेतु गाँव के अधिकांश किसानों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया जिसमें महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि अनुसंधान केन्द्र, पीपीगंज के अतिरिक्त देश के अनेक कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों को भी जोड़ा गया। इस व्हाट्सएप ग्रुप पर किसान अपनी कृषिगत समस्याएँ फोटो सहित डालते हैं। किसानों की इन समस्याओं का विशेषज्ञों द्वारा निदान स्वरूप त्वरित सलाह दी जाती है।

व्हाट्सएप ग्रुप पर किसानों की समस्याओं का विशेषज्ञों द्वारा निदान

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भविष्य में महाविद्यालय की योजना

महाविद्यालय ने निकट भविष्य में उन्नत भारत अभियान में गोद लिए गाँवों में महिला आत्मनिर्भरता

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने का निश्चय किया है। मातृशक्ति हमारे देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें इस सच को स्वीकार करना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में नारी शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

अगरबत्ती प्लांट

इस हेतु महाविद्यालय ने महिला आत्मनिर्भरता उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण महिलाओं के रोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हुए अगरबत्ती प्लांट की कार्य योजना बनाई है, जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षित करने के पश्चात् उनसे अगरबत्ती निर्मित कराया जायेगा जिससे उनकी आय का मार्ग प्रशस्त होगा।

किसान जागरूकता

ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भाइयों की आय बढ़ाने एवं उन्हें भी स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने के दृष्टिकोण से कार्य किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत जैसे पॉली हाउस अर्थात् सीमित क्षेत्र में अधिक उत्पादन कर अधिक आय अर्जन, कम ब्याज वाले किसान ऋणों जैसे किसान-क्रेडिट कार्ड से परिचित कराना, अपने स्वयं के लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना के लिए सरकारी योजनाओं से परिचित करा उन्हें लाभ लेने में मदद करना महाविद्यालय के भविष्य में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

जैविक खेती को बढ़ावा

बाजार में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए तथा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से कम लागत में उच्च गुणवत्तापूर्ण फसल प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

सरकारी योजनाओं की पूर्ण जानकारी देना

ग्रामवासियों तक सभी सरकारी योजनाओं तथा विज्ञान की जानकारी पहुँचाना तथा पात्रों को योजना का लाभ पाने में हो रही कठिनाइयों का निवारण कर उन तक योजनाओं को पहुँचा कर ग्रामोत्थान में सहयोग कर वास्तव में उन्नत भारत बनाने में अपने सहयोग को सुनिश्चित करना। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सभी गाँवों को खुले में शौच मुक्त तथा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पहुँचाना। अन्ततः हम यह अवश्य कह सकते हैं कि यदि सामाजिक संगठन तथा उच्च शिक्षा संस्थाएँ अपने सम्पूर्ण मनोयोग से भारत के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित कर लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। महाविद्यालय सदैव इस पंक्ति का अनुसरण करता रहा है तथा करता रहेगा –

माना अगम अगाध सिंधु है, संघर्षों का पार नहीं है। किंतु डूबना मझधारों में, साहस को स्वीकार नहीं है॥
जटिल समस्या सुलझाने को, नूतन अनुसंधान न भूलें। निर्माणों के पावन युग में, हम चरित्र निर्माण न भूलें॥